उत्तर प्रदेश
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

ई-संदेश

28 जुलाई 2021, वर्ष 4, अंक 148

सात दिन - सात पृष्ठ

- युवा किसी के बहकावे में न आएं, नियुक्ति की प्रक्रियाएं आगे भी इसी प्रकार अनवरत चलती रहेंगी
- तकनीक आमजन के जीवन में व्यापक सुधार और लोकतंत्र की भावना को भी चरितार्थ कर सकती है
- हमें वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजना होगा
- अयोध्या के पर्यटन केन्द्रों व विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए
- सरकारी भर्तियों में निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं नियुक्ति नियमों का पूरा ध्यान रखा गया
- प्रदेश में वर्ष 2021-22 में 14 नये मेडिकल कॉलेजों के निर्माण का लक्ष्य
- मेडिकल कॉलेज केवल स्वास्थ्य सुविधा का केन्द्र ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता का केन्द्र भी होता है
- कैबिनेट के महत्वपूर्ण निर्णय
- चित्र प्रदर्शनी

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

कोरोना हारेगा भारत जीतेगा

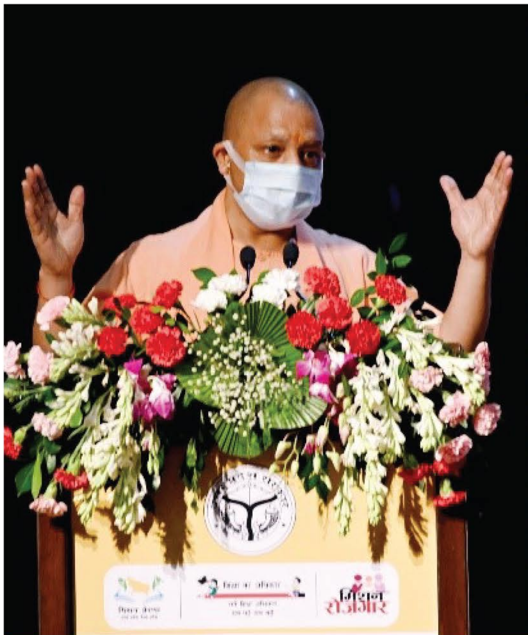

युवा किसी के बहकावे में न आएं, नियुक्ति की प्रक्रियाएं आगे भी इसी प्रकार अनवरत चलती रहेंगी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बेसिक शिक्षा समाज की नींव है और यह नींव जितनी मजबूत होगी, राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। बच्चों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। शिक्षक के लिए प्रतिदिन जानने का अवसर होता है और दूसरों तक जानकारी पहुंचाने का भी अवसर होता है।

मुख्यमंत्री लोक भवन में बेसिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत नवचयनित 6,696 सहायक अध्यापकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इससे पूर्व, उन्होंने सुमन देवी (रायबरेली), ललिता वर्मा (लखीमपुर खीरी), नीता पटेल (हरदोई), शिवकुमार (लखनऊ), देवेश सिंह कुशवाहा (उन्नाव) तथा विपिन कुमार (सीतापुर) को अपने कर-कमलों से नियुक्ति पत्र प्रदान किये। उन्होंने सभी नवचयनित सहायक अध्यापकों को बधाई व शुभकामनाएं दीं तथा पारदर्शी तरीके से शिक्षक भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 69,000 सहायक अध्यापकों की यह भर्ती प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी एवं शुचितापूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई है, जिससे आप सभी युवाओं को अपना लक्ष्य प्राप्त करने में मदद मिली। युवा आज सक्षम हो रहे हैं। आज कोई भी भर्ती प्रक्रिया में प्रश्न चिन्ह नहीं खड़ा कर सकता। प्रदेश के नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों, भर्ती प्रक्रिया में विसंगतियां पैदा करने वालों के खिलाफ सरकार ने सख्त कार्रवाई की हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए सतत प्रयास कर रही है। सरकार की ईमानदारी पर कोई भी संदेह नहीं कर सकता। सभी भर्ती प्रक्रियाएं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हो रही हैं। कुछ लोगों को यह बात अच्छी नहीं लगती। युवा किसी के बहकावे में न आएं। नियुक्ति की प्रक्रियाएं आगे भी इसी प्रकार अनवरत चलती रहेंगी। प्रदेश सरकार युवाओं को तेजी से रोजगार देने के लिए कृतसंकल्पित है। राज्य में पिछले सवा चार वर्षों के दौरान प्रदेश सरकार द्वारा सवा चार लाख युवाओं को सरकारी सेवा में नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। हम लगभग साढ़े चार लाख भर्ती की प्रक्रिया की दिशा में तेजी के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बेसिक शिक्षा विभाग का वार्षिक बजट 53,000 करोड़ रुपये से अधिक है। प्रदेश के 24 करोड़ लोगों को इतनी बड़ी बजट धनराशि का लाभ मिले, इसके लिए उन्होंने नवचयनित सहायक अध्यापकों को उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराते हुए कहा कि हमारे बेसिक शिक्षा के विद्यालय कॉन्वेंट स्कूल या पब्लिक स्कूल से मुकाबला करते हुए दिखायी दें। निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को पूरा करते हुए छात्र-शिक्षक अनुपात को व्यवस्थित किया गया है। राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा प्रमाण पत्र को आजीवन मान्यता प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग्यता के अनुसार युवाओं को शिक्षा व्यवस्था के साथ जोड़ा जा रहा है। यदि सरकार पारदर्शी व्यवस्था आपको दे रही है, तो आपसे उम्मीद भी करती है कि जितनी ईमानदारी सरकार ने आपके प्रति दिखाई है, इतनी ही ईमानदारी आप समाज के प्रति जरूर दिखाएंगे, क्योंकि समाज का ऋण हमारे ऊपर है। हम जितने भी लोग शासन-प्रशासन की व्यवस्था से जुड़े हैं, अपने समाज के ऋण से उऋण होने का हमारे पास एक ही माध्यम है, वह है अहर्निश प्रयास। हमें प्रत्येक नागरिक के जीवन में खुशहाली लाने के भरपूर प्रयास करने होंगे। वर्ष 2017 से तमाम चुनौतियों के बावजूद हमने परिवर्तन और विकास की प्रक्रिया को कतई नहीं थमने दिया, यह प्रक्रिया निरन्तर चलती रही और इसे लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले प्रदेश के विद्यालय के भवनों की हालत जर्जर थी। वर्ष 2017 में सरकार ने संकल्प लिया कि लोगों को शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन देखने को मिलेंगे। आज प्रदेश के 1 लाख 20 हजार परिषदीय विद्यालयों में 'ऑपरेशन कायाकल्प' के माध्यम से विद्यालय का सौन्दर्यीकरण, पेयजल, शौचालय, खेल का मैदान, ओपेन जिम इत्यादि की व्यवस्थाएं की जा चुकी हैं।

तकनीक आमजन के जीवन में व्यापक सुधार और लोकतंत्र की भावना को भी चरितार्थ कर सकती है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने up.mygov.in पोर्टल का शुभारम्भ किया। भारत सरकार के mygov पोर्टल के 7 वर्ष पूरे होने के अवसर पर इस पोर्टल की शुरुआत की गयी है। कार्यक्रम के दौरान mygov पोर्टल के 7 वर्ष पूर्ण होने पर केन्द्रित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गयी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से उत्तर प्रदेश हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है। mygov पोर्टल के 7 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज भारत सरकार के सहयोग से up.mygov.in पोर्टल का शुभारम्भ किया गया। इससे प्रदेश भी केन्द्र सरकार के पोर्टल से जुड़ गया है। यह पोर्टल पं दीन दयाल उपाध्याय जी की अंत्योदय की भावना के अनुसार अंतिम पायदान के व्यक्ति तक शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहायक होगा। साथ ही, इससे राज्य सरकार को जनता के सुझावों को जानने, विभिन्न मामलों में सहयोग प्राप्त करने तथा इनोवेशन को आगे बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 7 वर्ष पहले प्रधानमंत्री ने तकनीक के माध्यम से लोकतंत्र की भावनाओं को साकार करने के लिए जो कार्य प्रारम्भ किये थे, उसने न केवल अपनी पहचान बनायी, बल्कि सुशासन का लक्ष्य प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभायी। 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शपथ ली थी। 26 जुलाई, 2014 को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर उन्होंने mygov पोर्टल का शुभारम्भ किया था। यह पोर्टल लोकतंत्र की भावना के अनुरूप विभिन्न योजनाओं में जनभागीदारी, जनता के सुझावों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पोर्टल से 1 करोड़ 85 लाख से अधिक लोगों का जुड़ाव इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। उन्होंने शासन की योजनाओं से जनता को जोड़ने में पोर्टल का बेहतरीन उपयोग करने के लिए mygov पोर्टल की टीम को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक न केवल आमजन के जीवन में व्यापक सुधार का माध्यम बन सकती है, बल्कि लोकतंत्र की भावना को भी चरितार्थ कर सकती है। भ्रष्टाचार को समाप्त करने में भी यह महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि विगत डेढ़ वर्ष से पूरी दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही है। कोरोना काल में तकनीक जनता को शासन की विभिन्न योजनाओं का प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से लाभ पहुंचाने में सहायक सिद्ध हुई है। राज्य सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्न वितरण को ई–पॉस मशीनों से जोड़ा। इससे न केवल पहले से अधिक संख्या में जरुरतमन्द लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने में मदद मिली, बल्कि पारदर्शी ढंग से खाद्यान्न वितरण के कारण राज्य सरकार को 1200 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष बचत भी हो रही है। तकनीक के उपयोग से प्रदेश के राजस्व में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग को up.mygov.in पोर्टल बनाने व लॉन्च करने के लिए धन्यवाद देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह पोर्टल निरन्तर भारत सरकार के मार्गदर्शन में आमजन की भावनाओं के अनुरूप प्रधानमंत्री के मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रतीक बनेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि mygov का यूपी चौप्टर भी mygov की तर्ज पर अपनी बेहतर सेवाओं के लिए जाना जाएगा।

कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा कि mygov देश के जनमानस के जीवन में बदलाव के लिए प्रधानमंत्री का एक सफल कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में mygov के उत्तर प्रदेश चौप्टर की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश की जनता को विभिन्न सरकारी सेवाएं सरलता से उपलब्ध होंगी तथा समाज एवं सरकार के मध्य सामंजस्य बढ़ेगा तथा साधारण से साधारण व्यक्ति को सरकार से सीधा जुड़ने का अवसर मिलेगा।

हमें वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजना होगा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जल बहुमूल्य है। हमें वर्षा जल की एक–एक बूंद को सहेजना होगा। अपनी सात पवित्र नदियों में गंगा एवं यमुना सर्वप्रथम आती हैं। गंगा एवं यमुना का पवित्र संगम हमारे प्रदेश में होता है। 'नमामि गंगे' परियोजना के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गंगा नदी तथा इसकी सहायक नदियों की निर्मलता के लिए जो प्रयास किए हैं, उसके सफल परिणाम आज हम सबके सामने हैं। प्रदेश में भूजल के महत्व, उसके संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जन–जागरूकता के लिए 16 से 22 जुलाई, 2021 तक भूजल सप्ताह मनाया गया।

मुख्यमंत्री ने यह विचार इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में भूजल सप्ताह के राज्य स्तरीय समापन समारोह के दौरान व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश में जल प्रबन्धन के क्षेत्र में कार्य करने वाले उमाशंकर पाण्डेय (बांदा), अरविन्द अग्रवाल (लखनऊ), जल सहेली नीलम झा (झांसी), संजय सिंह (झांसी) से संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 10 वर्षों की प्राप्त भूजल रिपोर्टों के अनुसार गिरता हुआ भूजल स्तर एक गम्भीर समस्या बन चुकी है। विगत सवा चार वर्षों में हमने प्रदेश को क्रिटिकल से सेमी क्रिटिकल स्थिति में पहुंचाने में सफलता प्राप्त की है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में भूजल स्तर के उन्नयन हेतु वर्ष 2019 में अटल भूजल योजना का शुभारम्भ किया गया। प्रारम्भ में इस योजना के अन्तर्गत प्रदेश के 10 जिले, 26 ब्लॉक, 595 पंचायतें आच्छादित थीं। वर्तमान में अटल भूजल योजना पूरे प्रदेश में संचालित की जा रही है। आज इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में जल प्रबन्धन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश के अलग–अलग क्षेत्रों में अलग–अलग मॉडल अपनाकर जल प्रबन्धन के कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संचयन हेतु चित्रकूट क्षेत्र में तालाबों, कुओं का निर्माण एवं जीर्णोद्धार तथा वाराणसी में निष्प्रयोज्य हैण्डपम्पों का उपयोग जैसे मॉडल अपनाए गए हैं। भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक जैसे तत्वों को कम करने तथा पानी के खारेपन को दूर करने के निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शुद्ध पेयजल से अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के जनपदों में इंसेफेलाइटिस से पहले कई मौतें हो जाती थीं, लेकिन विगत सवा चार वर्षों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वच्छता एवं पाइपलाइन द्वारा शुद्ध पेयजल की व्यवस्था से इस बीमारी से होने वाली मृत्यु में 95 प्रतिशत की कमी आयी है। स्वच्छ भारत मिशन द्वारा लोगों को शौचालय उपलब्ध कराए गए। इन प्रयासों से हमने डायरिया व अन्य जल जनित बीमारियों से बहुत हद तक निजात पायी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने वर्षा जल संचयन हेतु भूगर्भ जल प्रबन्धन एवं विनियमन अधिनियम–2019 बनाया है। सरकारी भवनों, स्कूल, कॉलेजों की इमारतों तथा प्राधिकरणों के नियमों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि भूजल उन्नयन हेतु प्रत्येक व्यक्ति का प्रयास अनिवार्य है। जब सभी लोग मिलकर भूजल बढ़ाने के लिए कार्य करेंगे तभी हम इस कार्य में सफल हो पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वृक्ष जल स्तर को बढ़ाने के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य सरकार द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत वर्ष 2017 से अब तक लगभग 100 करोड़ पौधे रोपित कर उन्हें संरक्षित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से प्रदेश में गंगा यात्रा, गंगा हरितिमा कार्यक्रम शुरू किए गए। गंगा जी के तटवर्ती क्षेत्र को जैविक खेती से जोड़ा जा रहा है। खेत की मेड पर फलदार वृक्ष लगाने वाले किसान को राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क पौधे प्रदान किए जा रहे हैं तथा जैविक वृक्षारोपण अपनाने वाले किसानों को 3 वर्ष तक अनुदान प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपनी जीवनशैली में जल संरक्षण को अपनाना होगा। बुन्देलखण्ड, विन्ध्य क्षेत्र में 'हर घर नल योजना' क्रियान्वित की जा रही है। आने वाले समय में प्रदेश के 50 हजार राजस्व ग्रामों तक यह योजना क्रियान्वित की जाएगी।

अयोध्या के पर्यटन केन्द्रों व विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष लोक भवन में संस्कृति विभाग तथा पर्यटन विभाग द्वारा प्रस्तुतीकरण किए गए। संस्कृति विभाग द्वारा जनपद अयोध्या में प्रस्तावित आध्यात्मिक थीम पार्क, उत्तर प्रदेश संस्कृति नीति तथा रामायण कॉन्क्लेव के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण किया गया। पर्यटन विभाग द्वारा विन्ध्याचल मीरजापुर के विन्ध्यवासिनी देवी मन्दिर कॉम्पलेक्स की एप्रोच और परकोटे के पुनर्विकास के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी कार्यों में आवश्यक बदलाव करते हुए इनको तेजी से पूरा किया जाए। संस्कृति नीति के सम्बन्ध में मुख्यमंत्री ने विषय–विशेषज्ञों, फील्ड के लोगों से संवाद बनाते हुए नीति का निर्धारण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुतीकरण करते हुए प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने प्रस्तावित संस्कृति नीति के सम्बन्ध में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राज्य के बहुमुखी विकास में संस्कृति की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन, आर्थिक विकास, रोजगार के अवसरों में वृद्धि, सामाजिक विकास, संतुलित क्षेत्रीय विकास में संस्कृति की महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत संस्कृति विभाग द्वारा प्रस्तावित संस्कृति नीति की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री को भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय, लखनऊ को प्रदेश की गौरवशाली संस्कृति के रोजगारपरक शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध कार्य हेतु इसे उत्तर प्रदेश राज्य संस्कृति विश्वविद्यालय का रूप देने के सम्बन्ध में भी अवगत कराया गया। इसका उद्देश्य संगीत, कला एवं संस्कृति की सभी शाखाओं में उच्च स्तरीय रोजगारपरक शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध एवं अनुसंधान कार्य तथा परीक्षा के माध्यम से डिग्री एवं अन्य शैक्षणिक विशिष्टताएं प्रदान करना है। साथ ही, प्रदेश संगीत महाविद्यालयों एवं संस्कृति विभाग की स्वायत्तशासी संस्था द्वारा संचालित शैक्षणिक पाठ्यक्रमों को सम्बद्धता प्रदान करना है। इसके अलावा, शॉर्ट टर्म, समर कैम्प, कार्यशालाओं आदि के आयोजन के माध्यम से सामान्यजन विशेषकर विद्यार्थियों एवं युवाओं को प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना भी इसका उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री को 29 अगस्त, 2021 से 1 नवम्बर, 2021 तक प्रस्तावित रामायण कॉन्क्लेव के विषय में भी जानकारी देने के साथ–साथ अयोध्या में प्रस्तावित थीम पार्क के सम्बन्ध में भी अवगत कराया गया। उन्होंने विन्ध्याचल मीरजापुर के विन्ध्यवासिनी देवी मन्दिर कॉम्पलेक्स की एप्रोच और परकोटे के पुनर्विकास के सम्बन्ध में दिए गए प्रस्तुतीकरण का भी अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

प्रस्तुतीकरण के दौरान पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ नीलकण्ठ तिवारी, मुख्य सचिव आरके तिवारी, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, निदेशक संस्कृति एवं सूचना शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

सरकारी भर्तियों में निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं नियुक्ति नियमों का पूरा ध्यान रखा गया : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक आबादी वं युवा आबादी वाला राज्य है। युवाओं की इस ऊर्जा का लाभ देश एवं प्रदेश को मिले, इसके लिए प्रदेश सरकार ने रोजगार एवं स्वरोजगार को निरन्तर बढ़ाने का प्रयास किया है।

मुख्यमंत्री लोक भवन में नवचयनित आबकारी निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने नवचयनित 130 आबकारी निरीक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। यह समस्त भर्तियां मिशन रोजगार के तहत निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अन्तर्गत की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चयन की इस प्रक्रिया को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण तरीके से सम्पन्न किया है। प्रदेश सरकार आज आप सबको नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए शासकीय व्यवस्था का हिस्सा बना रही है। उन्होंने कहा कि एक लम्बे समय से आबकारी विभाग प्रदेश के अन्दर राजस्व प्राप्ति का एक साधन रहा है। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मादक द्रव्यों की सप्लाई को रोकने तथा कानून व्यवस्था को बनाए रखते हुए आमजन के आचरण को संयमित रखने का कार्य किया जाता है। नवचयनित मानव संसाधन विभाग की व्यवस्था को मजबूत करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत सवा चार वर्षों में सवा चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां उपलब्ध करायी गयी हैं। सरकारी भर्तियों में निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं नियुक्ति नियमों का पूरा ध्यान रखा गया है। इससे योग्य अभ्यर्थियों का ही चयन सम्भव हुआ है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में किसी भी युवा के साथ कोई भी अन्याय नहीं होना चाहिए। प्रदेश सरकार ने कानून का राज स्थापित करने के लिए कानून व्यवस्था को सुदृढ़ किया है। जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश में निवेश अनुकूल माहौल विकसित हुआ है। प्रदेश में आने वाले निवेश के माध्यम से 1.61 करोड़ युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया गया है। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा 60 लाख से अधिक युवाओं को स्वरोजगार से भी जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए सतत प्रयास कर रही है। आज सरकार की ईमानदारी पर कोई भी संदेह नहीं कर सकता। पूरी भर्ती प्रक्रियाएं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हो रही हैं। उन्होंने कहा कि युवा किसी के बहकावे में न आएं। नियुक्ति की प्रक्रियाएं आगे भी इसी प्रकार अनवरत चलती रहेंगी। सकारात्मक सोच और परिश्रम से युवा आगे बढ़ें। सरकार उनके साथ है और आगे भी रहेगी। ईमानदारी एवं शुचितापूर्ण व्यवस्था के खिलाफ आचरण करने वाले तत्वों पर सरकार ने सख्त कार्यवाही करते हुए अब तक 1500 करोड़ रुपए से अधिक की सम्पत्ति जब्त की है। उन्होंने नवचयनितों से कहा कि सरकार आपसे अपेक्षा रखती है कि आप अपने सेवा काल में पूर्ण ईमानदारी से निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी सेवक का कार्य जनता की सेवा करना है। जनता हमारी मालिक है। आम आदमी व्यवस्था को टैक्स देता है। उनके टैक्स के पैसे से ही वेतन, भत्ते एवं अन्य लाभ प्राप्त होते हैं। उन्होंने नवचयनितों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि आपके कार्यों से किसी निर्दोष व्यक्ति को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। हमारी यह जवाबदेही एवं दायित्व है कि हम सबके कल्याण के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि कई विभागों ने पोर्टल बनाकर ट्रांसफर एवं पोस्टिंग की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया है। इस प्रक्रिया में कार्य दक्षता को वरीयता देनी चाहिए तथा अन्य विभागों में भी शीघ्र ही ऐसी ही पोर्टल व्यवस्था विकसित करनी चाहिए।

आबकारी एवं मद्यनिषेध मंत्री राम नरेश अग्निहोत्री ने कहा कि आबकारी विभाग ने 30 हजार करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व योगदान प्रदेश की अर्थव्यवस्था में किया है। आबकारी विभाग के सहयोग से उद्यमियों द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में ऑक्सीजन प्लाण्ट निर्मित कराये जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने विगत सवा चार वर्षों में कानून का राज स्थापित करते हुए आधारभूत संरचना एवं औद्योगिक विकास से रोजगार सृजन करते हुए पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से नियुक्तियां की हैं।

प्रदेश में वर्ष 2021–22 में 14 नये मेडिकल कॉलेजों के निर्माण का लक्ष्य : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मेडिकल कॉलेज बेहतरीन एवं विशिष्ट स्वास्थ्य सुविधाओं की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण संस्थान होता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में आजादी के 70 वर्षों के बाद तक कुल 12 राजकीय मेडिकल कॉलेज बने थे। वर्तमान प्रदेश सरकार ने केन्द्र सरकार के सहयोग और अपने संसाधनों से वर्ष 2020–21 तक लगभग 32 मेडिकल कॉलेजों को बनाया है या उन्हें स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने यह विचार जनपद देवरिया में नवनिर्मित महर्षि देवरहा बाबा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय कैम्पस में प्रेसवार्ता के दौरान व्यक्त किए। इसके पूर्व, उन्होंने मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह मेडिकल कॉलेज प्रवेश के लिए पूरी तरह तैयार है। पहले सत्र की पढ़ाई के लिए सभी तैयारियां पूर्ण हैं। नेशनल मेडिकल काउन्सिल की संस्तुति प्राप्त हो जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर–कमलों से इस मेडिकल कॉलेज सहित प्रदेश के 9 नये मेडिकल कॉलेज का एक साथ शुभारम्भ कराया जाएगा। प्रधानमंत्री द्वारा देश में बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है। यह सभी मेडिकल कॉलेज प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना एवं राज्य सरकार के संसाधनों का उपयोग करते हुए स्थापित हो रहे हैं।

विगत वर्ष प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत 8 नये मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्रारम्भ किया गया। प्रदेश में वर्ष 2021–22 में 14 नये मेडिकल कॉलेजों के निर्माण का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि 16 जनपदों में जहां कोई मेडिकल कॉलेज नहीं है, वहां राज्य सरकार द्वारा पीपीपी मॉडल से अगले 6 माह में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की कार्य योजना बनायी जा रही है। आने वाले समय में प्रदेश के सभी 75 जनपद मेडिकल कॉलेज से आच्छादित होंगे।

विगत वर्षों में जनपद गोरखपुर व रायबरेली में एम्स की शुरुआत की गई है। गोरखपुर एम्स का शुभारम्भ अक्टूबर माह में प्रधानमंत्री द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। एम्स की स्थापना के बाद प्रदेशवासियों को उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी। इससे पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। देवरिया एवं सिद्धार्थनगर में शीघ्र ही मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई शुरू होगी। बस्ती में गत सत्र से पढ़ाई प्रारम्भ है। कुशीनगर में वर्ष 2021–22 में मेडिकल कॉलेज स्वीकृत व इसके लिए धन आवंटन किया गया है। बलरामपुर, गोण्डा, बहराइच, जौनपुर, गाजीपुर, चन्दौली आदि जनपदों में नये मेडिकल कॉलेज की श्रृंखला खड़ी की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना कालखण्ड में इन नये मेडिकल कॉलेजों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। आज यह मेडिकल कॉलेज सफलतापूर्वक लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं एवं सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश ने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य क्षेत्र की आधारभूत संरचना एवं सुविधाओं की बढ़ोत्तरी में विशेष उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि देवरिया मेडिकल कॉलेज की कुल लागत लगभग 208 करोड़ रुपये है, जिसमें से 155 करोड़ रुपये अब तक व्यय हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश ने कोरोना प्रबन्धन एवं नियंत्रण में सफलता पायी है, जबकि दुनिया के विकसित देश कोविड से त्रस्त रहे। स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर की कोविड को नियंत्रित करने में बड़ी भूमिका रही है। इस कार्य में जनप्रतिनिधियों की सक्रियता, कोरोना वॉरियर्स के सेवा भाव, शासन–प्रशासन की तत्परता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विशेषतः पूर्वी उत्तर प्रदेश में विगत 4 वर्षों के दौरान मस्तिष्क ज्वर के नियंत्रण में सफलता मिली है। आज मस्तिष्क ज्वर के मौत के आंकड़ों में 95 प्रतिशत की कमी आयी है। आने वाले समय में किसी भी महामारी को रोकने में महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज एक बड़ी भूमिका का निर्वहन करेगा। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में लैब, लैबोरेटरी, क्लास रूम, आवासीय सुविधा की बेहतर व्यवस्था के साथ ही पर्याप्त मात्रा में मेडिकल कार्मिकों की नियुक्ति की गयी है। यह मेडिकल कॉलेज जनपद देवरिया की जनता के लिए समर्पित है।

मेडिकल कॉलेज केवल स्वास्थ्य सुविधा का केन्द्र ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता का केन्द्र भी होता है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, अयोध्या का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान विभिन्न वॉर्डों में जाकर मरीजों से उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा ब्लड बैंक में रक्तदान कर रहे लोगों का उत्साहवर्धन किया। इसके पूर्व, मेडिकल कॉलेज परिसर में उन्होंने वृक्षारोपण भी किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल कॉलेज केवल स्वास्थ्य सुविधा का केन्द्र ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता का केन्द्र भी होता है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता से लोगों को बीमारी की चपेट में आने से बचाया जा सकता है। कोरोना काल के दौरान देश में जन जागरूकता द्वारा लोगों को संक्रमण से बचाया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी बीमारी के उपचार से महत्वपूर्ण उसका बचाव होता है। मेडिकल कॉलेजों से बीमारी से बचाव के प्रति जागरूकता का एक बहुत बड़ा अभियान चल सकता है। विगत डेढ वर्षों से दुनिया सदी की सबसे बड़ी महामारी से जूझ रही है। प्रदेश में जनप्रतिनिधियों, शासन–प्रशासन तथा कोरोना वॉरियर्स ने मिलकर कोरोना नियंत्रण में सराहनीय कार्य किये हैं।

निरीक्षण के पश्चात मुख्यमंत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत नवनिर्मित राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में वर्ष 2019–20 में अयोध्या मेडिकल कॉलेज में 100 छात्रों का पहला बैच शुरू किया गया। आगामी अक्टूबर माह में 100 छात्रों के तीसरे बैच की काउंसिलिंग शुरू होगी। यहां मेडिकल पीजी की पढ़ाई के प्रयास भी किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज अच्छी दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस मेडिकल कॉलेज में 200 बेड का एक नया अस्पताल बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए प्रदेश सरकार भारत सरकार के साथ मिलकर मजबूती से कार्य कर रही है। आजादी के बाद से वर्ष 2016 तक इन 69 वर्षों में केवल 12 राजकीय मेडिकल कॉलेज ही उत्तर प्रदेश में बने थे। वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान प्रदेश में 32 नये मेडिकल कॉलेज या तो बन चुके हैं या बन रहे हैं। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2019–20 में 08 नये मेडिकल कॉलेजों को प्रारम्भ किया था, जिसमें अयोध्या का यह मेडिकल कॉलेज भी था।

इस सत्र में 9 नये मेडिकल कॉलेजों का नेशनल मेडिकल कमीशन से अनुमोदन के लिए आवेदन किया गया है। जिनका इस समय निरीक्षण किया जा रहा है। इस सत्र में 14 नये मेडिकल कॉलेज भारत सरकार के सहयोग से स्थापित किए जा रहे हैं। 16 जिले ऐसे हैं, जहां एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं है। इन जनपदों में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए पीपीपी मॉडल पर पॉलिसी लायी जा रही है। दिसम्बर तक इनके लिए सहमति एवं स्वीकृति प्रदान कर दी जाएगी। इसके बाद देश में सर्वाधिक मेडिकल कॉलेज वाला राज्य उत्तर प्रदेश होगा। परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी राज्य होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च 2020 में जब कोरोना आया तो मेडिकल कॉलेज अयोध्या का डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल के रुप में प्रयोग किया गया। इस नये मेडिकल कॉलेज में 3 हजार आरटीपीसीआर टेस्ट प्रतिदिन करने की क्षमता है। मार्च 2020 में जब कोरोना की आहट हुई थी तो प्रदेश में एक भी टेस्टिंग लैब नहीं थी। आज उत्तर प्रदेश की प्रतिदिन तीन लाख से अधिक कोविड टेस्ट करने की क्षमता है। विशेषज्ञों ने थर्ड वेव की आशंका व्यक्त की है, इससे निपटने के लिए सरकार की तैयारियां चल रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या आने वाले समय में वैश्विक मानचित्र में एक नया स्थान बनाने जा रहा है। हमारा उद्देश्य है कि अयोध्या विश्वस्तरीय पर्यटन केन्द्र के साथ–साथ शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का भी एक बड़ा केन्द्र हो। अयोध्या में इन सुविधाओं के विकास के लिए यहां के जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर केन्द्र व प्रदेश सरकार कार्यक्रमों को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

21 जुलाई, 2021 को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक के महत्वपूर्ण निर्णय

- प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम सचिवालय की स्थापना, प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत सहायक/एकाउण्टेन्ट-कम-डाटा इण्ट्री ऑपरेटर के चयन एवं तैनाती तथा इन पर होने वाले व्यय को वित्त आयोग, मनरेगा, ग्राम निधि एवं योजनाओं के प्रशासनिक मद में अनुमन्य धनराशि से व्यय किये जाने के प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। इससे 58,189 पंचायत सहायक/एकाउण्टेन्ट कम डाटा इण्ट्री ऑपरेटर की तैनाती होगी, जिससे प्रत्यक्ष रूप से रोजगार सृजन होगा।

- अयोध्या-अकबरपुर-बसखारी मार्ग के प्रस्तावित गोसाईगंज बाजार बाईपास के निर्माण/नवनिर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।

- अयोध्या बिल्लहरघाट मार्ग (ए0बी0 बंधा मार्ग) को 02 लेन विथ पेव्ड शोल्डर (10.00 मीटर चौड़ाई) में चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य कराये जाने हेतु पी0सी0यू0 शिथिलीकरण का प्रस्ताव अनुमोदित किया गया।

- अयोध्या-अकबरपुर-बसखारी मार्ग के प्रस्तावित मया बाजार 04 लेन बाईपास के निर्माण/नवनिर्माण का प्रस्ताव अनुमोदित किया गया।

- जनपद मथुरा में कोसी-नन्दगांव-बरसाना-गोवर्धन-सौंख-मथुरा एवं मथुरा राया तक मार्ग के 02 लेन चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की व्यय वित्त समिति द्वारा अनुमोदित पुनरीक्षित लागत 29488.89 लाख रू0 का व्यय प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।

- अयोध्या-अकबरपुर-बसखारी मार्ग में प्रस्तावित अम्बेडकरनगर बाजार 04 लेन बाईपास के निर्माण/नवनिर्माण एवं परियोजना की लागत 25158.59 लाख रू0 के व्यय का प्रस्ताव अनुमोदित किया गया।

- कौशाम्बी पर्यटन स्थल को जनपद प्रयागराज मुख्यालय वाया एयरपोर्ट से 04 लेन से जोड़ने का कार्य (लम्बाई 42.06 कि0मी0) की व्यय वित्त समिति द्वारा अनुमोदित लागत 80893.85 लाख रू0 के व्यय का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।

- जनपद लखीमपुर खीरी में लखीमपुर से दुधवा राष्ट्रीय पार्क तक के मार्ग का 02 लेन चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की व्यय वित्त समिति द्वारा अनुमोदित पुनरीक्षित लागत 26544.47 लाख रू0 के व्यय का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।

- जनपद प्रयागराज में जी0टी0 रोड से प्रयागराज-वाराणसी मार्ग के चौनेज 219.50 से चौनेज 242.60 के 04 लेन चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की व्यय-वित्त समिति द्वारा अनुमोदित लागत 29404.14 लाख रू0 के व्यय का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।

- राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ की स्थापना के लिए जनपद आजमगढ़ की तहसील सदर के ग्राम असपालपुर व आजमबांध में दर्ज कुल 20.00 हे0 पशुचर की भूमि की श्रेणी परिवर्तित कर निःशुल्क उच्च शिक्षा विभाग के नाम आवंटित कराने एवं इस भूमि के बदले में राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ की स्थापना हेतु ग्राम मोहब्बतपुर व महलिया तथा दौलतपुर में आवंटितध्क्रय की गयी 21.0637 हे0 भूमि को पशुचर की श्रेणी में परिवर्तित करते हुए विनिमय का प्रस्ताव अनुमोदित किया गया।

- राजकीय मेडिकल कॉलेज, अमेठी के निर्माण हेतु व्यय वित्त समिति द्वारा मूल्यांकित लागत 292.5668 करोड़ रू अनुमोदित किए गए।

- उप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा के अन्तर्गत 500 बेडेड सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के निर्माण कार्यों की पुनरीक्षित प्रायोजना हेतु 48988.61 लाख रू0 के व्यय सहित सम्पूर्ण प्रायोजना को स्वीकृति प्रदान की गई ।

- मा. उच्च न्यायालय, इलाहाबाद परिसर में मल्टीलेवल पार्किंग एवं एडवोकेट चैम्बर्स के निर्माण हेतु द्वितीय पुनरीक्षित लागत 640.37 करोड़ रू0 की लागत को स्वीकृति दी गई।

- वर्ष 2021-22 हेतु उ0प्र0 सहकारी ग्राम विकास बैंक को ओवरऑल गारण्टी की सीमा को कतिपय शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन स्वीकृति दी गई।

- उप्र लोक सेवाओं में दिव्यांगजन को समूह 'क' 'ख' 'ग' एवं 'घ' में 04 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण सुनिश्चित करने हेतु पदों के पुनर्चिन्हांकन के सम्बन्ध में प्रस्ताव अनुमोदित किया गया।

- अशासकीय सहायता प्राप्त संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों एवं राजकीय संस्कृत विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2021-22 एवं 2022-23 (ग्रीष्मावकाश की अवधि को छोड़कर) अथवा नियमित चयनित शिक्षक के आने तक जो भी पहले हो, नितान्त अस्थायी रूप से मानदेय पर शिक्षकों की व्यवस्था किए जाने का प्रस्ताव स्वीकृत।

- उत्तर प्रदेश राज्य के ऐसे अन्त्योदय कार्डधारक परिवार जो प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अथवा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना में से किसी भी योजना से आच्छादित नहीं हैं और जिनकी अनुमानित संख्या 40 लाख है, को मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी।

- जनपद मेरठ में उपलब्ध रकबा 23.747 हे0 भूमि, जो सिंचाई विभाग के स्वामित्व की वन संरक्षित भूमि है, को स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना हेतु किए जाने के प्रस्ताव पर मा मंत्रिपरिषद द्वारा दिनांक 25 जनवरी, 2021 को अनुमोदन प्रदान किया गया है।

चित्र प्रदर्शनी

वाराणसी में जापान और भारत की दोस्ती के प्रतीक शिवलिंग के आकार में निर्मित 'रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर' का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए, निदेशक शिशिर, आईएएस द्वारा प्रकाशित
प्रभारी सम्पादक : डॉ. सीमा गुप्ता